कोचबिहार पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय

2019-2020 सत्र से आरम्भ करने के लिए LCC-H-1 का अनुशंसित और अनुमोदित पाठ्यक्रम – B.A, B.Com के लिए.

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of Syllabus)- B.A तथा B.Com के विद्यार्थियों के लिए अनुशंसित LCC-H-1 (हिन्दी) के इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है – हिन्दी व्याकरण और हिंदी साहित्य की कतिपय विधाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना. इस पाठ्यक्रम के पहले खण्ड में हिंदी व्याकरण से सम्बन्धित प्राथमिक पाठों जैसे- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, कारक, वाक्य विचार, सन्धि, समास, प्रत्यय, उपसर्ग, मुहावरे, लोकोक्तियाँ आदि को रखा गया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी हिंदी भाषा में कार्य-व्यापार करने में समर्थ हो सकें. पाठ्यक्रम के दूसरे खंड में हिन्दी के प्रमुख प्राचीन तथा आधुनिक कवियों की रचनाएँ तथा हिन्दी गद्य की विविध विधाओं के पाठ को रखा गया है, जिससे कि विद्यार्थी गण हिन्दी साहित्य के सामान्य स्वरूप से परिचित हो सकें.

खण्ड – क अंक 20

हिंदी व्याकरण

१. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, कारक
२. वाक्य विचार
३. संधि, समास. प्रत्यय, उपसर्ग
४. मुहावरें, लोकोक्तियाँ

खण्ड –ख अंक 20

मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य

सूरदास –

१. सोभित कर नवनीत लिए...
२. उधौ मन न भए दस बीस ...

मीरा
१. मैं तो सांवरे के रंग राची ..
२. मेरे तो गिरिधर गोपाल ..

घनानंद
१. अति सूधो सनेह को मारग है ...
२. भोर ते सांझ लौ कानन ओर...

रसखान
१. मानुष हौं तो वही रसखान..
२. या लकुटी अरु कामरिया पर ..

महादेवी वर्मा
१. मैं नीर भरी दुःख की बदली .
२. यह मंदिर का दीप

धूमिल
१. रोटी और संसद
२. हर तरफ धुआं है

हिंदी गद्य

सुदर्शन – हार की जीत (कहानी)

विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक – ताई (कहानी)

उषा प्रियंवदा - वापसी (कहानी)

आचार्य रामचंद्र शुक्ल – मित्रता (निबन्ध)

बेढव बनारसीदास – चिकित्सा का चक्कर (हास्य-व्यंग्य)

अंक विभाजन

1.वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 x 1 = 10
2.अति लघुत्तरीयप्रश्न	1 x 5 = 05
3.लघुत्तरीय प्रश्न	1 x 10 = 10
4.दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	1 x 15 = 15
अभ्यांतारिक मूल्यांकन Internal Marks	10
पूर्णांक	50

सहायक :-

१.आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ वासुदेवनंदन प्रसाद

२.सूरसागर सटीक – संपादक धीरेन्द्र वर्मा

३. मीरा का काव्य – संपादक विश्वनाथ त्रिपाठी

४. घनानन्द कवित्त – सम्पादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

५.रसखान रचनावली – संपादक विद्यानिवास मिश्र

६.प्रसाद पन्त, निराला और महादेवी वर्मा की श्रेष्ट रचनाएँ - सम्पादक वाचस्पति पाठक

७.www.org.kavitakosh

८. hindisamay.com

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

१.सूरदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

२.मीरा का काव्य – संपादक विश्वनाथ त्रिपाठी

३. प्रसाद, निराला और अज्ञेय – डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी

४. महादेवी - दूधनाथ सिंह

५. धूमिल और परवर्ती हिंदी कविता – श्री राम त्रिपाठी